आर्कडि संरक्षण केंद्र

चर्चा में क्यों?

30 जुलाई, 2021 को **उत्तराखंड के पहले आर्कडि संरक्षण केंद्र** का **चमोली ज़लि** के मंडल में उद्घाटन हुआ।

प्रमुख बदि

- आर्कडि केंद्र बनाने का मुख्य उद्देश्य आर्कडि प्रजातियों का संरक्षण करना, पर्यटन को बढ़ावा देना और स्थानीय लोगों के लयि आजीवकिा के अवसर प्रदान करना है।
- **प्रदेश के वन वभिाग की अनुसंधान शाखा द्वारा वकिसति** आर्कडि केंद्र को चार भागों- संरक्षण एवं प्रदर्शन क्षेत्र, 1.25 कमी. लंबी आर्कडि ट्रेल, इंटरप्रेटेशन केंद्र और आर्कडि नर्सरी में बाँटा गया है।
- यहाँ आर्कडि की 70 वभिन्नि प्रजातयिाँ पाई जाती हैं, जनिमें से ज़्यादातर प्रजातयिाँ औषधीय गुणों से युक्त और पारस्थितिकी तंत्र के लयि महत्त्वपूर्ण हैं। इनमें से कई प्रजातयिाँ, जैसे- **'लेडीज स्लीपर' (Lady's Slipper) संकटग्रस्त पादपों** (**threatened category**) की श्रेणी में हैं।
- पादप जगत में आर्कडि का वही स्थान है, जो प्राणजिगत में बाघ का है। पारस्थितिकीय परविर्तन के प्रतआिर्कडि बहुत संवेदनशील होते हैं और इसलयि कसिी पारस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य को मापने के लयि इसे एक अच्छा मानदंड माना जाता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/orchid-conservation-center